



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 543]

नई दिल्ली, मगलबार, अक्टूबर 17, 1989/अश्विन 25, 1911

No. 543]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 17, 1989/ASVINA 25, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतत परिवहन मंत्रालय

(पत्रन पक्ष)

अधिमूचना

नई दिल्ली 16 अक्टूबर, 1989

मा का नि 901 (अ) —केन्द्र सरकार, भवापत्रन व्याप्र अधिनियम, 1963 (1963 वा 38) पा धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त एकियों का प्रयोग करने हए, मुख्यांश पत्रन व्याप्र मध्य द्वारा बनाय गए, और इस अधिमूचना के साथ सर्वन अनुसूचा में मुख्यांश पत्रन व्याप्र कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के बाद अशार्यी चिकित्सा लाभ) विनियम 1999 का अनुमोदन करते हैं।

2 उक्त विनियम इस अधिमूचना के सरकारी राजन में प्रकाशन की तारत्ख की प्रकृत होगी।

[फा स पी आर 12016/6/84पी ई 1 (खट्ट)]
गम एन कवकड़, मयुक्ष मन्त्रिव

अनुमंशी

मुख्यांश पत्रन व्याप्र कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के बाद अशार्यी चिकित्सा लाभ) विनियम 1999

प्रमुख पत्रन अधिनियम 1963 (1963 का 36) पा धारा 29 में दी गई, एकियों का प्रयोग करते हए मुख्यांश पत्रन का व्याप्र मण्डल निम्नलिखित विनियम बनाया है अधिनियम

2903G1/90

1 संक्षिप्त नाम और आरम्भ इन विनियमों का "मुख्यांश पत्रन व्याप्र कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के बाद अशार्यी चिकित्सा लाभ) विनियम, 1989" कहा जाएगा।

2 विनियोग का विस्तार ये विनियम (1) मुख्यांश पत्रन व्याप्र के सेवा निवृत्ति कर्मचारी और उनके पार्तीपत्री पर लागू होने तथा (2) मुख्यांश पत्रन व्याप्र में 10 वर्ष की नियन्त्र सेवा पृष्ठ करने के बाद सेवाकाल में मृत्यु होने वाले कर्मचारियों के जातिव पत्रिविधवा और कर्मचारी के नाबालिंग वज्रे व्या मर्कारा/निः। उपर्याम से नीरु, ऐसा लाभ तभी मिलता है एवं उक्त के लिया विकित्या योजना के प्रारंभन नहीं आते हैं, पर भी लागू होते हैं।

इन विनियमों में "सेवा निवृत्ति मुख्यांश पत्रन व्याप्र कर्मचारी" से नालिये होते हैं।

(क) सभी श्रेणी के वर्गचारी श्रेणी 1, श्रेणी-2, श्रेणी-3 तथा श्रेणी-4, जिन पर लागू सेवा विनियम के तहत अधिकारीयों का आयु प्राप्त कर मुख्यांश पत्रन व्याप्र का सेवा से सेवा निवृत्ति हुए हैं/सेवा निवृत्ति होने वाले हैं।

(ख) श्रेणी-1 और श्रेणी-2 के कर्मचारी, जो जरुरा नाटिम अवधा इस प्रकार के नोटिस के बदले के बेतन नहीं लक्ष्य का अदायगी कर सेवा निवृत्ति हुए हैं/सेवा निवृत्ति होने वाले एवं अवधा 50 वर्ष का आयु प्राप्त करने के बाद जरुरी नोटिस अवधा इस प्राप्त की नाटिम के बदले बेतन तथा भर्ती का अवायवी कर सेवा निवृत्ति हुए हैं/सेवा निवृत्ति होने वाले हैं और श्रेणी-3 तथा श्रेणी-4 के रूपचारी, जो 55 वर्ष का आयु प्राप्त

(1)

परन्तु के बाद जरूरी नोटिस के नोटिस के बदले बेनन तथा भूतों की अदायगी कर सेवा निवृत्त हुए हैं/सेवा निवृत्त होने वाले हैं।

(ग) कर्मचारी, जिनकी श्रेणी का लिहाज किए बिना, मुरगाव पत्तन त्याप में 10 वर्ष को निरतर सेवा के बाद रोका से मर्य हुए हैं/अमर्य होने वाले हैं।

2. (2) इन विनियमों के तहत चिकित्सा लाभ प्राप्त करने के लिए सदस्य के रूप में नाम निवृत्ति का विकल्प कर्मचारी के सेवानिवृत्ति होने की तारीख से एक महीने के भीतर देना होगा। पहले ही सेवा निवृत्ति, मुरगाव पत्तन त्याप में 10 वर्ष की निरतर सेवा करने के बाद सेवा काल में मृत/मृत होने वालों के मामले में, सेवा निवृत्ति कर्मचारी और/अथवा अधिकारी द्वारा इस प्रकार का विकल्प इन विनियमों के लागू होने अथवा मृत्यु की जारीय से तीन महीने के भीतर, जो भी स्थिति है, प्रस्तुत करना होगा।

3. चिनार (1) इन विनियमों के इनके बाद विनिर्दिष्ट अंशदान का भुगतान करने के बाद, मुरगाव पत्तन त्याप में सेवारन कर्मचारियों के लिए मुरगाव के पत्तन कर्मचारियों (चिकित्सा उपकार) विनियम, 1989 में प्रावधान किये गये गती पर ही सदस्यों को चिकित्सा युक्तिवादी उपलब्ध कराये। जारी और ये सुविधाएँ इसके आगे इन विनियमों में विविष्ट किये जाने वाली शर्तों के अधीन होंगी।

(2) लिनाधिकारी अपने आवाम पर मण्डल के डाक्टरों की चिकित्सा परिषद्य के लिए हक्कदार नहीं होंगे।

(3) इन विनियमों के तहत अन्तर्गत चिकित्सा परिचयी और उपकारों के प्रयोजन के लिए कुछ शायिकाओं को अलग रखा जाएगा और इन्हें निम्नलिखित शर्तों पर उन्हें उपलब्ध कराया जाएगा:—

(क) सेवारन कर्मचारी और उनके आशिर्वादों को आवंटन में वरीयता देने के बाद ही सेवा निवृत्ति कर्मचारी और/अथवा उनके पति या पत्नी और मुरगाव पत्तन त्याप में 10 वर्ष की निरतर सेवा पूरा करने के बाद गाज-सज्जा में मृत कर्मचारी के पति या पत्नी और अधिकारी नावालिंग बच्चों का शायिका का आवंटन किया जाएगा।

(ख) यदि इस प्रकार की शायिकाएँ खाली हैं और जरूरत पड़ने पर, इन्हें सेवारन कर्मचारी और उनके पति या पत्नी को तथा मृत कर्मचारी के हक्कदार पति या पत्नी/अधिकारी नावालिंग बच्चों को आवंटित किया जाएगा।

(ग) यदि इस प्रकार की शायिका का आवंटन सेवारन कर्मचारी और/अथवा उनके आशिर्वादों को किया गया है और बाद में इन विनियमों के तहत हिनाधिकारी को शायिका को जरूरत है, तो सेवारन कर्मचारी और/अथवा उनके आशिर्वादों को मर्य ते पहले छुट्टी नहीं दी जाएगी और इन विनियमों के तहत हिनाधिकारी को शायिका वां जरूरत है, तो उन्हें अस्पताल में शायिका उपलब्ध होने तक ग्रेटोका करनी होगी।

(घ) मुरगाव पत्तन ग्रस्पताल में वाक्तिल चाहने वाले हैं इन विनियमों के द्विनाधिकारी की चिकित्सा परिस्थितियों इस प्रकार है कि मृत्यु चिकित्सा अधिकारी के नियंत्रण के अनुसार उसे चिकित्सा परिषद्य अथवा अस्पताल में दाखिला आपातकाल के रूप में देन, जरुरी है, तो हिनाधिकारियों के लिए निर्धारित शायिकाओं से अधिक मृत्यु की शायिका के लिए वाक्तिल दिया जाएगा किन्तु अस्पताल में रखने की अधिकतम अवधि मृत्यु चिकित्सा अधिकारी द्वारा जरुरी समझी जाने वाली अवधि में अधिक नहीं होगी।

4. अंशदान : (1) इन विनियमों के तहत चिकित्सा लाभ प्राप्त करने के लिए अद्यत्य बनना पूर्ण ऐम्प्लिक है। इस विनियम के तहत चिकित्सा लाभ प्राप्त करने के लिए केवल सेवानिवृत्ति कर्मचारी/उनके पति

या पत्नी/पूर्ण कर्मचारियों के हक्कदार नावालिंग अधिकारी बच्चे, जो कि अपने भेत्ता निवृत्त बकाया में से अधिगत नगद के रूप में एक एक अंशदान देते हैं, वही हक्कदार होंगे। एक ममम एक मुश्त अंशदान की राशि मण्डल द्वारा समय समय पर नियम किया जाएगा।

टिप्पणी :— इन विनियम के प्रयोजन के लिए “श्रेणी-1, श्रेणी-2, श्रेणी-3 श्रेणी-4 का अर्थ वही हो जिने कि क्रमशः मुरगाव पत्तन कर्मचारी (वर्गी-करण, नियंत्रण और अपील) विनियम 1964 में दिया गया है। तथापि यासन्विक वर्गीकरण कर्मचारी को सेवानिवृत्ति/मृत्यु/मृत्यु से असमर्थता के समय कर्मचारी द्वारा धारित पद के सदर्भ में नियम किया जाएगा।

(2) इन विनियमों के तहत जब तक सेवानिवृत्ति कर्मचारी अथवा उसके पति या पत्नी और मृत कर्मचारी के हक्कदार, उसके जोवित पति या पत्नी द्वारा नियम एक समय एक मुश्त अंशदान नहीं दिया जाना है तब तक लाभ के लिए हक्कदार नहीं होंगे।

(3) एकमुश्त अंशदान अथवा इसका अंशदान की अदायगी करने के बाद विनियम 5 (4) में किए गए प्रावधान को छोड़कर हर हालत में वापिस नहीं किया जाएगा।

(4) श्रेणी के रूप में उपचार प्राप्त करने समय यदि घोगत दिया गया हो, तो इसके लिए पूरे शुक्र के साथ साथ 5 प्रतिशत अंतिरिक्ष शुक्र भी वसूला जाएगा।

(5) श्रेणी के रूप में उपचार प्राप्त करने समय रक्त उपलब्ध कराया गया हो, तो इसके लिए पूरा शुक्र वसूला जाएगा।

5. वर्गीकरण (1) इन विनियमों के तहत चिकित्सा मुद्रियाओं के लिए परिषिष्ट “क” (संवर्ग) के निर्वाचित प्रोफार्म में आवेदन दो प्रक्रियों में कठोर होगा और यह आवेदन कर्मचारी जिस विभाग से सेवानिवृत्ति/सेवा से असमर्थ हुआ है उस विभाग के अध्यक्ष को करना होगा और यदि कर्मचारी मृत है, तो उनके पति या पत्नी/आधिकारी जिन्होंने द्वारा आवेदन करना होगा, ताकि इस आवेदन में अनाये विद्युत की जांच की जा सके। आवेदन प्रस्तुत करने समय सेवा निवृत्ति कर्मचारी/उसके पति या पत्नी और नावालिंग बच्चों को, जो भी स्थिति है, के दो पासपोर्ट आवारा के फोटोग्राफ प्रोफार्म “ग” (संलग्न) में यह धीरणा करने हुए कि वह किसी ग्रामकारी/निजी उपकरण में लाभ प्राप्त करने हुए नौकरी नहीं कर रहे हैं और उपकरण के किनी के भी योजना द्वारा चिकित्सा लाभ प्राप्त नहीं कर रहे हैं तथा उपर्युक्त पैरा में बताये गये एकमुश्त रक्त की अदायगी की गई है, आवेदन कर्मचारी जिस विभाग में सेवा निवृत्ति हुआ है/सेवा से असमर्थ हुआ, उस विभाग के अध्यक्ष के पास भेजे देना होगा मह धीरणा प्रत्येक वर्ष पहली अप्रैल को नवीकृत किया जाना होगा।

(2) विभागाध्यक्ष द्वारा आवेदन प्राप्त करने के बाद उस विभाग में उपलब्ध रिकार्ड के संदर्भ में आवेदन की जांच कर उसे मृत्यु चिकित्सा अधिकारी को भेज दिया जाएगा। विभागाध्यक्ष अथवा उनके द्वारा नियुक्त कोई भी अधिकारी मृत्यु चिकित्सा अधिकारी के पास आवेदन भेजने से पहले ताकि लिखे अनुसार प्रमाणपत्र भी दिखेगा।

“इस विभाग में उपलब्ध रिकार्ड के साथ आवेदन के विवरण की मैन खुद जांच की है और यह प्रमाणित किया जाता है कि आवेदन मुरगाव पत्तन कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के बाद अंगदारी चिकित्सा लाभ विनियम, 1989 के लहर प्राप्त करने के लिए हक्कदार है।”

(3) यदि यह पाया गया हो कि इन विनियमों के तहत आवेदक विर्गी भी नाभ की प्राप्त करने के लिए हक्कदार नहीं हैं, तो सम्बन्धित विभाग अधिकारी द्वारा भी आवेदक को इसकी सूचना देगा।

(4) इस विनियम के उप विनियम (2) के अनुसार यदि यह पाया गया कि आवेदक इन विनियमों के लहर प्राप्त करने के लिए हक्कदार नहीं है, तो सम्बन्धित विभागाध्यक्ष के प्रतिनिधि की सलाह के आधार पर आवेदक द्वारा अदा की गई एकमुश्त रक्त को वापिस किया जाएगा।

(5) सम्बन्धित चिकित्सा विभागाध्यक्ष से चिकित्सा प्राप्त करने के बाद मुरगांव परतन स्थास के मुख्य चिकित्सा अधिकारी सेवा निवृत्ति सेवा से अमरमंथ कर्मचारी अथवा उनके पति या पत्नी अथवा हक्कदाता अधिकारी वर्चों को, जो भी स्थिति है, परिषिष्ट "श्र" में निर्णयः श्रोपात्मी में एक पहचान पत्र जारी करेगा और इस पत्र कोटोप्राप्त की एक पति चिकित्सा जाएगी। फोटोप्राप्त की इच्छी प्रति आशेद्वन पर चिकित्सा जाएगी और रिकाई के लिए रखी जाएगी।

(6) सेवा निवृत्ति कर्मचारी अथवा कर्मचारी की मृत्यु हो जाने पर उन के पति या पत्नी/किसी सरकारी/निजी उपकरण में लाभदायक नौकरी कर रहे हैं और उपकरण के किसी चिकित्सा लाभ योजना में शामिल हैं, तो उन्हें हल्कात्म विक्रिय रूप में इनकी मृत्यु चिकित्सा अधिकारी को देनी होगी। इन प्रकार की मृत्यु करने के बाद उन्हें जारी पहचान पत्र रह करने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी जरूरी कार्यवाही करेंगे।

(7) मर्हने के दोरान इस प्रकार जारी/रह पहचान पत्रों की मासिक विवरणी अगले मर्हने की 10 तारीख अथवा इससे पहले वित्तीय सलाहकार व मुख्य सेवा अधिकारी को भेज दिया जाएगा।

6. सरकारी/निजी उपकरणों में लाभदायक नौकरी कर रहे सेवा निवृत्ति कर्मचारी और अथवा उनके पति या पत्नी/पत्र मत कर्मचारी के पति या पत्नी द्वारा दिये जाने वाले प्रभार इस प्रकार रहेंगे— (1) मण्डल के अस्पताल से जाव, दबाइया और प्राप्त अन्य मुदियाओं के लिए जाही संस्थाओं के दर पर पूर्ण चिकित्सा प्रभार लगाये जाएंगे तथा इनके लिए एक रसीद जारी की जाएगी, ताकि वे अपने नियोक्ता से प्रतिपूर्वि प्राप्त कर सकें।

(2) रोगी को मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी और सहायक चिकित्सा अधिकारी के पासदिखाने के लिए अहिरंग रोगी परामर्श फैस के रूप में कमशः रु 6, रु 5 और रु. 3 बजूता जाएगा।

(3) जब सेवा निवृत्ति कर्मचारी/उनके पति या पत्नी/पत्र अधिकारी, जो भी स्थिति है, मण्डल के अस्पताल में अंतर्गत रोगी के रूप में दाखिला लेने हैं, तो अग्रिम मृगतान के शर्त पर दाखिला दिया जाएगा। कथित रक्तम की गणना इस प्रकार की जाएगी कि आपरेशन मुल्क आदि सहित भायिका मुल्क भी शामिल होंगी और यह आरम्भ में 10 दिन की अवधि के लिए तथा अन्ततम रकम रु. 100 होगी।

(4) यदि 10 दिन की अवधि के द्वारान प्रस्थानित की जाती है कि सेवा निवृत्ति कर्मचारी/उनके पति या पत्नी अथवा पाल आश्रित वर्च, जो भी स्थिति है, कि उपचार और अधिक दिनों तक चल सकता है, तो शेष दिनों के लिए शुल्क आदि की रकम को अग्रिम रूप में कमूला जाएगा।

(5) रोगी को दाखिला देने के लिए सलाह देने वाले डाक्टर को अपनी वैयक्तिक जिम्मेदारी होगी और उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि बाईं में रोगी को दाखिला देने से पहले अग्रिम मृगतान किया जाएगा। यदि सेवा निवृत्ति कर्मचारी/उनके पति या पत्नी अथवा आश्रित नाबालिग वर्च, जो भी स्थिति है, प्रत्याशित दिनों में पहले ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दें दी जाएगी, तो इस स्थिति में मुख्य चिकित्सा अधिकारी से रोगी की स्थिति का उचित स्पर्टाइकरण के साथ सलाह प्राप्त करने के बाद वित्तीय सलाहकार व मुख्य सेवा अधिकारी शेष रकम वापिस कर देंगे।

(6) इस उप-विनियम में बताये गये शुल्क के बावजूद बस्तुओं गई रकम के बड़े मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा रखे गये पंजी में दर्ज किया जाएगा और इस प्रयोजन के लिए प्राप्तवान किये गये कालम में नकद रसीद संलग्न आदि सुचित करते हुए अगले दिन रकम विनी सलाहकार और मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पास जमा करा दिया जाएगा।

— 7) सभी अंतर्गत रोगी भासलों की समाप्त ग्रिंट विलाय सलाहकार और मुख्य सेवा अधिकारी के पास प्रहर भेज दिया जा, ताकि प्राप्त अप्रिय रकम और उचित व्यती भासलों में रखे रखा जा अंतिम गंगजन दिया जा सके।

(8) आंतरिक जाव और इस सम्बन्ध में जमा की गई रकम का लेखा-जोशी रखने की जिम्मेदारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी की होती। विनीय सलाहकार व गुण्य लेखा अधिकारी अपने आवधार निरीक्षण के दौरान उपर्युक्त पैश के अनुग्रह पूजा को ठाक-टाक रखने आदि का घात-र्वान करेंगे।

7. अर्थवद्ध— (1) विनियम 5(1) में बताये गये व्यवणा वा नाबालिग करने को सूर्यों जिम्मेदारी सेवा निवृत्ति कर्मचारी/उनके पति या पत्नी/मृत कर्मचारी के पति या पत्नी/नाबालिग आश्रित वर्च, जो भी स्थिति है, की होगी।

(1) सेवा निवृत्ति कर्मचारी/उनके पति या पत्नी / मृत कर्मचारी के पात्र पति या पत्नी /अधित नाबालिग अवधि त्रिव्यांन एक समय एक ग्राम भूगतान कर इन विनियमों के तहत लाभ उठाये हैं और वाद में यह पता अनला है कि उपचार प्राप्त करने के अवधि के दौरान वे सरकारी/निजी उपकरण में लाभदायक नौकरी कर रहे हैं, तो पत्नी से भिन्न रोगी कर्मचारी से संपूर्ण चिकित्सा के लिए लाभ तक की दर पर और गंतुर्य प्रतिशत अर्थवद्ध के साथ रकम बजूती जाएगी तथा वे इन विनियमों के तहत आपे नाभ उठाने के लिए हुक्कार नहीं होंगे।

8. विविध— 1 विनियम 5(1) के तहत सम्बन्ध के रूप में पर्जाहन कोई सेवा निवृत्ति/उनके पति या पत्नी/ग्राम कर्मचारा के पात्र पति या पत्नी वाद में किसी सरकारी/निजी उपकरण में नामधारक नौकरी प्राप्त करते हैं, तो वे विनियम 6 के तहत चिकित्सा परिवर्ती प्राप्त करने के लिए हुक्कार होंगे। तथापि, सरकारी/निजी उपकरण में नियुक्ति के समाप्त पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी का अविसुल्भ भरने के बाद खण्ड 5(1) अर्थवद्ध कलाज 5(1) के तहत सम्बन्ध के रूप में इन विनियमों के तहत लाभ उठाने के लिए उन्हें लुक होगा, जब कि खण्ड 5 के तहत सम्बन्ध के रूप में इन विनियमों के तहत लाभ वा फिर से पुनर्भावित किया जाएगा।

(1) मुख्य चिकित्सा अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि पहचान पत्र में नामन्वेशित व्यक्तियों को ही चिकित्सा मुख्यालै दी जाएगी।

(3) मुख्य चिकित्सा अधिकारी इन विनियमों के तहत जिन व्यक्तियों को चिकित्सा मुख्यालै दी जाएगी उन आविष्यों के नाम दर्शाए हुए परिषिष्ट "व" (खण्ड) में दर्शाये गये अनुवान सठन में एक पूँजी खेंगे और विनीय सलाहकार व मुख्य सेवा अधिकारी के अवधिक निरीक्षण के दौरान इस पंजी को उन्हें उपलब्ध कराया जाएगा।

9. सेवा निवृत्ति कर्मचारियों को प्रदत्त चिकित्सा लाभ पर व्यवय— इन विनियमों के तहत हिताधिकारी से अनुवान और मल शुल्कों को मुरगांव पक्षन स्थास कर्मचारी अन्वयन निधि में जमा कराया जाएगा चिकित्सा लाभ प्रदान करने के लिए हीने वाले व्यवय को हरी निधि से पूरा किया जाएगा।

10. व्याख्या— इन विनियमों की व्याख्या के लिए उत्पन्न होने वाले संघर्ष को अद्यता मुख्यालै परतन के वाद में जिया जाएगा और उनका जिय ही अंतिम होगा।

परिज्ञान "क"

मुख्यांक पत्रन न्यास

मुख्यांक पत्रन न्यास कर्मचारी (सेवा निवृति के बाद अंगदारी चिकित्सा लाभ) विनियम, 1989 में सम्मिलित होने के लिए प्रावेदन

1. सेवा निवृति कर्मचारी का नाम

2. (क) पवनाम
- (ख) स्टाफ सद्या
- (ग) विभाग

3. तारीख—(1) नियुक्ति
(2) सेवा निवृति

4. प्राप्त अंतिम वेतन

5. जीवित पत्नी/पति और आधित बच्चों के नाम जन्म तिथि के साथ
(जन्म प्रमाणपत्रों की अनुप्रमाणित प्रतिया संलग्न करें)

नाम

सम्बन्ध

जन्म तिथि

वर्तमान आयु

(1)

(2)

(3)

(4)

(5)

6. प्रावेदक का नाम

7. स्थायी पता

(प्रावेदक का सूक्ष्मांक)

टिप्पणी :—

इम योजना में सम्मिलित होने वाले सदस्यों का पासपोर्ट आकार का फोटो को इसके साथ संलग्न करें।

परिज्ञान "ख"

मुख्यांक पत्रन न्यास

मुख्यांक पत्रन न्यास कर्मचारी (सेवा निवृति के बाद अंगदारी चिकित्सा लाभ) विनियम, 1989 में सम्मिलित होने के लिए प्रावेदन

पहचान पत्र सं.

1. सेवा निवृति कर्मचारी का नाम : श्री/श्रीमती

2. जीवित पत्नी/पति का नाम

3. आधित का नाम

(केवल मुख्यांक पत्रन न्यास में 10 वर्ष की सेवा के बाद मृत कर्मचारियों के लिए है)

नाम

जन्म तिथि

वर्तमान आयु

(1)

(2)

(3)

(4)

(5)

4. विभाग का नाम और स्टाफ संबंध सहित सेवा निवृति की तारीख को पदनाम :

5. सेवा निवृति की तारीख

6. प्राप्त अंतिम वेतन

7. प्रंशवान को दर

8. पहचान के लिए

(1)

(2)

(3)

(4)

(5)

९ शुगतान का विवरण

- (1)
- (2)
- (3)

१० सेवा निवृत्ति कर्मचारी/प्रबोधक के हमालकर

११ रबड़ की मोहर सहित विवाहाद्याक्ष का हमालकर

परिशिष्ट "ग"

मुरगाव पतन न्याय

मुरगाव पतन न्याय कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के बाद अंशदायी चिकित्सा लाभ) विनियम, 1989 में मन्त्रिलिपि हासे उमय श्रीर आद मे प्रवेक वर्ष के अन्तर्क की पहली तारीख को सेवा निवृत्ति कर्मचारी द्वारा भा जाने वा ता चोषण।

१ मै अधीक्षताक्षरी

पतनाम—विभाग, जो कि दिनांक—से मण्डल की सेवा से सेवा निवृत्ति हुमा है इसके द्वारा यह चोषणा करता है कि मै किसी भी सरकारी अधिकारी विभाग में नौकरी कर रहा हूँ/हूँ कर रहा है और इस उपक्रम के किसी चिकित्सा योजना वे अन्तर्क आमा इ/नदी आता है।

२ (किसी सरकारी अथवा निश्ची उपक्रम मे लाभदायक नौकरी करने वालों के मामले मे)

३ मै इस नौकरी मे दिनांक—से काम कर रहा हूँ श्रीर यह दिनांक—से दिनांक—तक की अवधि के लिए ही है। मुझे यात्रा हुमा है कि मुरगाव पतन न्याय (सेवा निवृत्ति के बाद अंशदायी चिकित्सा लाभ) विनियम, 1987 के प्रत्युत्तर इस नौकरी की अवधि के दौरान मुझे मण्डल के असरातान से नियुक्त परामर्श, नियुक्त दबाइया, नियुक्त जानि जामी सूविधाओं के लिए मैक्कवार नहीं है।

हमालकर

पहचानपत्र संख्या—

जारीकर्ता—

परिशिष्ट "ब"

मुरगाव पतन न्याय

मुरगाव पतन न्याय कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के बाद अंशदायी चिकित्सा लाभ) विनियम, 1989 के तहत रखो जाने वाली वर्जी का नमूना।

सेवा निवृत्ति कर्मचारी का नाम	सेवा निवृत्ति कर्मचारी सहित परिवार के सम्बन्धों की संख्या	पतनाम, स्टाफ संख्या श्रीर	विनियम का नाम	अवधि विन— से दि — तक	रकम	शुगतान की तारीख	नकद रसीद	अंशदायन वसूलने वाले अधिकारी का नाम	टाइपो
१	२	३	४	५	६	७	८	९	

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 16th October, 1989

NOTIFICATION

G.S.R. 901(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Mormugao Port Trust Em-

ployees (Contributory Medical Benefit after Retirement) Regulations, 1989 made by the Board of Trustees for the Port of Mormugao and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

[F. No. PR-12016/88-PE.I]
S. N. KAKAR, Jt. Secy.

SCHEDULE

MORMUGAO PORT TRUST EMPLOYEES (CONTRIBUTORY MEDICAL BENEFIT AFTER RETIREMENT) REGULATIONS, 1989

In exercise of the powers conferred by section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the Board of Trustees of the Mormugao Port Trust hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title and commencement.—These Regulations may be called 'Mormugao Port Trust Employees (Contributory Medical Benefit after Retirement) Regulation, 1989'.

2. Extent of application.—These Regulations are applicable to (i) retired MPT employees and their husbands/wives and (ii) surviving husbands/widows and the dependant minor children of the employees who died/may die while in service after completion of 10 years of continuous service in Mormugao Port Trust and that he or she is not gainfully employed in the public/private undertaking and covered by any medical benefit scheme of the undertaking. "Retired MPT employees" in relation to these Regulations means :—

- (a) Employees of all classes, namely, Class I, Class II, Class III and Class IV who have retired/may retire from the Mormugao Port Trust service on attaining the age of superannuation under the service regulations applicable to them.
- (b) Class I and Class II employees who have retired/may retire by giving the requisite notice or pay and allowances in lieu of such notice or are/may be retired by giving the requisite notice or pay and allowances in lieu of such notice after attaining the age of 50 years and all Class III and Class IV employees who have retired/may retire by giving the requisite notice or pay and allowance in lieu of such notice after attaining the age of 55 years.
- (c) Employees irrespective of their class, who were invalidated/may be invalidated from service after putting 10 years of continuous service in Mormugao port Trust

(2) The option to enroll as members for obtaining medical benefits under these Regulations should be given within a month of the date of retirement. In case of those who have already retired, died/may die while in service after completion of 10 years of continuous service in Mormugao Post Trust, such option should be exercised by the retired employee and/or dependant within 3 months from the date these Regulations come into effect or death as the case may be.

3. Scope.—(1) On payment of contribution hereafter specified in these Regulations, medical facilities on the same scale and conditions provided in the Mormugao Port Employees' (Medical Attendance) Regulations, 1969 for the employees in service with Mormugao Post Trust will be made available to the members and will be further subject to the conditions specified hereafter in these Regulations.

(2) The beneficiaries will not be entitled to medical attendance of Board's doctors at their residences.

(3) For the purpose of indoor medical attendance and treatment to the beneficiaries under these regulations certain number of beds would be earmarked and the same would be available to them, subject to the following conditions :—

- (a) The bed will be allotted to the retired employees and/or their spouses and dependent minor children of employees who die in harness after completion of 10 years of continuous service in Mormugao Port Trust, in preference to the serving employees and their dependents.
- (b) In case such beds remain un-occupied, they may be allowed to the serving employees and their spouses and spouses' dependent minor children of eligible deceased employees, if so required.
- (c) In case such bed is allotted to the serving employee and/or his dependent and is subsequently required to accommodate the beneficiaries under these Regulations the serving employee, his/her dependent shall not be discharged prematurely and the beneficiaries under these Regulations requiring the bed will have to wait till a bed is available in the Hospital.
- (d) If the medical circumstances of the beneficiaries of these Regulations seeking admission into the Port Trust Hospital are such that, in the judgement of the CMO, he or she needs medical attention or hospitalisation as an emergency may be given admission even in excess of the number of earmarked beds for such beneficiaries but such hospitalization should be limited to the minimum period considered necessary by the Chief Medical Officer.

4. Contribution.—(1) To become member for availing medical benefits under these regulations is purely voluntary. Only those retired employees' spouses/minor dependent children of eligible deceased employees who make payment either by deduction from their retirement dues or in cash, of the one time lumpsum contribution are eligible for availing medical benefits. The amount of one time lumpsum contribution will be determined by the Board from time to time.

Note :—For the purpose of Regulation 2, the expression "Class I, Class II, Class III and Class IV" has the same meaning as respectively assigned to it in the Mormugao Port Employees (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1964. The actual classification will, however, be determined with reference to the post held by the employee at the time his/her retirement/death/invalidation.

(2) The benefit under these regulations would not be admissible until a retired employee or his/her spouse and, in the case of an eligible deceased employee, his/her surviving spouse has paid the prescribed onetime lumpsum contribution.

(3) The lumpsum contribution once paid or any part thereof, will not be refunded on any ground whatsoever except as provided in Regulation 5(4).

(4) When the diet is supplied while undergoing treatment as inpatient, a surcharge of 5 per cent will be levied in addition to the full charge for the same.

(5) Full charges will be recovered when the blood is supplied while undergoing treatment as inpatient.

5. Registration.—(1) The application in the prescribed proforma Annexure 'A' (attached) for the medical facilities under these Regulations should be made in duplicate, to the Head of Department from where the employee retired|invalidated or in case of his|her death, by his spouse|dependent children for verification of particulars mentioned therein. While submitting the application, 2 copies of passport size photographs of the retired employees|his spouse and dependent minor children as the case may be should also be sent to Head of Department alongwith a declaration in the proforma Annexure 'C' (attached) that he|she is not gainfully employed in any public|private undertaking and covered by any medical benefit scheme of the undertaking and the receipt of having paid the lumpsum amount referred to in preceding para. This declaration should be renewed every year on the 1st of April.

(2) On receipt of the application by the Head of Department contents of the application will be scrutinised with reference to records available in that department and forwarded to the Chief Medical Officer. The Head of Department or an officer appointed by him while forwarding the application to the C.M.O. should record certificate on the application as detailed hereunder :

"I have personally verified the contents of the application with reference to records available with this department and it is certified that the applicant is eligible for the benefit under the Mormugao Port Trust Employees (Contributory Medical Benefit after Retirement) Regulations, 1989."

(3) In case it is found that the applicant is not eligible for any benefit under these Regulations he should be intimated so in writing by the concerned Head of Department.

(4) If the applicant is found not eligible for benefit under these Regulations in terms of Sub-Regulation (2) of this Regulation, the lumpsum payment made by him will be refunded to him on the basis of the advice of respective Head of the Department.

(5) On receipt of the recommendations from the Head of the Department, the Chief Medical Officer of the Mormugao Port Trust will issue to the retired|invalid employee or spouse or eligible dependent children as the case may be, an identity card in the prescribed proforma Annexure 'B' (attach) with a copy of photograph duly pasted on it. The second copy of the photograph should be pasted on the application and kept for records

(6) If the retired employee or his spouse in case of death of employee is gainfully employed in public|private undertaking and covered by any medical bene-

fit scheme of the undertaking, he|she should intimate the C.M.O. immediately in writing. On receipt of such information CMO should take necessary action to cancel the identity card issued to him|her.

(7) A monthly return in respect of such identity cards issued|cancelled during the month should be sent to Financial Adviser and Chief Accounts Officer on or before 10th of the succeeding month.

6. Charges to be paid by retired employees and/or their spouses|spouses of eligible deceased employees gainfully employed in public|private undertaking.—(1) Full medical charges at outsiders rate for investigations, medicines, and other facilities obtained from Board's hospital will be charged, for which a receipt will be issued to enable him to obtain reimbursement from the employer.

(2) An outpatient consultation fee of Rs. 6/- for CMO, Rs. 5/- for MO and Rs. 3/- for AMO will be charged.

(3) While a retired employee|spouse|eligible dependent child as the case may be is admitted as an indoor patient in the Board's hospital advance payment must be a fair condition for admission. The said amount should be assessed in such a manner so as to cover the bed charges as well as operation charges etc. for a period of 10 days initially subject to a minimum of Rs. 100.

(4) If during the course of 10 days it is anticipated that the retired employees|spouses or eligible dependent children, as the case may be, require prolonged treatment the amount required towards the charges etc. for the remaining days should also be collected in advance.

(5) It is the personal responsibility of the Doctor who advises the admission of the case to ensure that the advance payment has been made by the patient before he is admitted to the Ward. If the employee| his spouse or his dependent minor children as the case may be are discharged from the hospital earlier than anticipated, the balance amount will have to be refunded by the FA&CAO on the strength of the advice received from the C.M.O. duly explaining the case.

(6) The particulars of amounts collected towards the charges referred to in this sub-Regulation may be entered in a Register maintained by the C.M.O. and the amount so collected should be deposited on the next day with FA&CAO duly quoting the money receipt number etc. in the column provided for the purpose.

(7) A completion report for all the in patient cases may invariably be sent to the FA&CAO to make necessary final adjustments in respect of the advance money received and kept under suspense account.

(8) The responsibility of internal check and the accountal of the remittances made in this respect rests with the Chief Medical Officer. The FA&CAO during the course of his periodical inspections should also scrutinize the register maintained in terms of the preceding para in regard to the efficient way of maintenance etc.

7. Penalty.—(1) The renewal of the declaration referred to in Regulation 5(1) is the sole responsibility of the retired employee|his spouse|spouse|minor dependent children of eligible deceased employees as the case may be.

(2) If a retired employee|his spouse|spouse|dependent minor child of the eligible deceased employee who have enjoyed benefit under this Regulation under one time lumpsum payment is subsequently found to be gainfully employed in the public|private undertaking during the period in which he|she had availed the treatment, the cost of full medical treatment at outsiders rate with 5 per cent penalty charges will be levied, and collected from them and they will forfeit the right to avail further benefit under these Regulations.

8. Miscellaneous.—(1) A retired employee|spouse|spouse of the eligible deceased employee registered as a member under Regulation 5(1) having been subsequently gainfully employed in a public|private undertaking will be eligible to receive medical attendance under Regulation 6. However, he|she reserves the right for availing benefit under these regulations as a member under clause 5(1) on notifying the C.M.O. on conclusion of appointment in public|

private undertaking, when he shall be restored the benefit under these Regulations as a member under clause 5(1).

(2) The C.M.O. will ensure that the medical facilities are extended only to the persons enumerated in the identity cards.

(3) The C.M.O. is required to maintain a separate register in the form shown in Annexure 'D' (attached) showing therein the persons to whom the medical facilities are extended under these regulations and this register will be made available for periodical inspection of the FA&CAO.

9. Expenditure on providing medical benefits to the retired employees.—The contribution and other charges collected from beneficiaries under these Regulations will be credited to the Mormugao Port Trust Employees' Welfare Fund and the expenditure on providing medical benefit will also be met from that Fund.

10. Interpretation.—Where a doubt arises as to the interpretation of these Regulations the matter will be referred to the Chairman, Mormugao Port Trust, whose decision shall be final.

ANNEXURE 'A'

MORMUGAO PORT TRUST

APPLICATION FORM FOR JOINING THE MORMUGAO PORT TRUST EMPLOYEES' (CONTRIBUTORY) MEDICAL BENEFIT AFTER RETIREMENT REGULATIONS, 1989

1. Name of the retired employee :
(in block letters)
2. (a) Designation :
(b) Staff No. :
(c) Department :
3. Date (i) Appointment
(ii) Retirement
4. Last Pay Drawn
5. Names of surviving wife/husband and dependant children with date of birth (to be supported by attested copies of birth certificates)

Name	Relation	Date of birth	Present age
(i)			
(ii)			
(iii)			
(iv)			
(v)			

6. Name of the applicant.

7. Permanent address :

(Signature of applicant)

NOTE: — Passport size photographs of the members joining this Scheme must accompany.

ANNEXURE 'B'

MORMUGAO PORT TRUST

MORMUGAO PORT TRUST EMPLOYEES' (CONTRIBUTORY MEDICAL BENEFIT AFTER RETIREMENT) REGULATIONS, 1989

1. Name of the retired employee : Shri/Smt.
2. Name of surviving wife/husband :

Identity Card No.

3. Names of dependant children :
 (only in case employee died after 10 years service in Mormugao
 Port Trust)

Name	Date of birth	Present age
(i)		
(ii)		
(iii)		
(iv)		
(v)		
4. Designation on the date of retirement with name of Department and Staff no. :		
5. Date of Retirement :		
6. Last Pay Drawn :		
7. Rate of contribution :		Rs.-
8. Marks of Identifications	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	
9. Particulars of payment		
(i) (ii) (iii)		
10. Signature of Retired Employee/applicant		
11. Signature of Head of the Dept., with rubber stamp.		

ANNEXURE 'C'

MORMUGAO PORT TRUST

DECLARATION TO BE FILLED BY RETIRED EMPLOYEES AT THE TIME OF JOINING THE MORMUGAO PORT TRUST EMPLOYEES' (CONTRIBUTORY MEDICAL BENEFIT AFTER RETIREMENT) REGULATIONS, 1989 AND THEREAFTER ON 1st of APRIL EVERY YEAR

1. I the undersigned - - - - - Staff No. - - - - - Designation - - - - - of - - - - - Dept. retired from the service of the Board with effect from - - - - - do hereby declare that I am/I am not employed in any public or private Sector undertaking and am/am not covered by any medical benefit scheme by such Employer.

2. (In case of those who are employed gainfully in public or private sector job).

I took up this job on - - - - - and my term of appointment is for a period from - - - - - to - - - - - I understand that I am not entitled to free consultation, free medicines, free investigation from the Board's hospital for duration of this appointment as per the Mormugao Port Trust Employees' (Contributory Medical Benefit after Retirement) Regulations, 1987.

Signature - - - - -
 Identity Card No. - - - - -
 Issued by - - - - -

ANNEXURE 'D'

MORMUGAO PORT TRUST

FORM OF REGISTER TO BE MAINTAINED UNDER THE MORMUGAO PORT TRUST EMPLOYEES' (CONTRIBUTORY MEDICAL BENEFIT AFTER RETIREMENT) REGULATIONS, 1989

Name of the retired employee	Designation and name of Dept.		Contribution deposited with FA & CAO/CMO	Remarks	
Staff No.	For the period from - - - - - to - - - - -	Amount Rs.	Date of payment	Cash receipt no.	Signature of the officer collecting the contribution
1	2	3	4	5	6
				7	8
					9

